मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MHN–010

एम. ए. (हिन्दू अध्ययन) (एम. ए. एच. एन.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एच.एन.-010 : विविध विद्या-परम्परा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 15 = 60$

1. ज्ञान किसे कहते हैं ? शिक्षा के साथ ज्ञान के सम्बन्धों का वर्णन कीजिए।

2. ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति के सिद्धांतों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

3. खगोल से क्या आशय है ? विस्तृत परिचय लिखिए।

4. पतञ्जलि के योगसूत्र की विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।

5. योगसूत्र के आधार पर योग विद्या का वर्णन कीजिए।

6. खगोल विद्या के किन्हीं **दो** आचार्यों के योगदान का वर्णन कीजिए।

7. हठयोग का क्या अभिप्राय है ? वर्णन कीजिए।

8. आयुर्वेद के स्वरूप का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. खगोल विद्या की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

2. लोक विद्या के स्वरूप का निरूपण कीजिए।

3. वास्तु के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

4. विद्या के स्वरूप से शिक्षा का क्या सम्बन्ध है ? निरूपण कीजिए।

5. ज्योतिष एवं खगोल की समानता का उल्लेख कीजिए।

6. बृहत्संहिता में किन विषयों का प्रतिपादन है ? वर्णन कीजिए।

7. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) काव्य-विद्या

   (ख) सृष्टि विद्या

× × × × ×